वीर सावरकर, मदन लाल ढिंगरा, लाला हरदयाल आदि के प्रेरक पण्डित श्यामजी कृष्ण वर्मा, न केवल महर्षि जी के अनन्य भक्त थे बल्कि विधिवत् उनका पत्र-व्यवहार महर्षि जी के साथ रहा है। ऋषिवर की अमर गाथा और योगदान अनन्त है। हम उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को शत्-शत् नमन एवं स्मरण करते हैं।